

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा



स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia 9511151254 epaper.swatantraprabhat.com @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव सीतापुर, हरदोई, शाहजहाँपुर, उन्नाव, हमीरपुर, बाराबंकी, अयोध्या, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर,

लखनऊ, सोमवार , 29 अप्रैल 2024

प्रयागराज, बांदा, महोबा, मिर्जापुर, भदोही, ललितपुर, झारखण्ड, दिल्ली, बिहार, उत्तराखंड आदि जनपदों में प्रसारित

वर्ष 05, अंक 209, पृष्ठ 12, मूल्य: 03 रुपये

www.swatantraprabhat.com

ईरान के आधी दुनिया से रिश्ते खराब..12

देश के स्वास्थ्य के लिए किसी गारंटी की नहीं

‘सही का चुनाव’ करें

स्वतंत्र प्रभात

जब सर्वोच्च न्यायालय की न्यायधीश जस्टिस हिमा कोहली ने सरकार को निशाने पर लेकर कहा कि केंद्र को अब अपने आपको ऐक्टिवेट करना चाहिए। तब इस टिप्पणी से आपको क्या लगा? मुझे तो इस टिप्पणी से लग रहा है, मानो केंद्र सरकार वर्षों से जंग लगी और थूल से ढकी एक मशीन बन गई है जिसे कहा जा रहा है कि अब इसे चालू करने का समय आ गया है। पर इस केन्द्रीय मशीनरी के मुखिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय तो चुनावों में व्यस्त हैं। वो तो इस बात से चिंतित हैं कि उन्हें बहुत गालियां दी गई हैं, उन्हें बहुत भला बुरा कहा गया है, उन्हें डराने की कोशिश की गई है आदि आदि। उन्हें इस बात की भी फिक्र है कि कॉग्रेस का घोषणापत्र 'मुस्लिम लीग की छाप' लिए हुए है और यह भी कि भारतीय महिलाओं के 'मंगलसूत्र' को कॉग्रेस बेच देने वाली है। कुल मिलाकर अर्थ यह है कि पीएम मोदी के दिमाग में जो भी आ रहा है वे बस उसे बोलने के लिए बोलें जा रहे हैं। लेकिन जहां बात 'जिम्मेदारों' की आती है, नागरिकों के प्रति उनके कर्तव्य की आती है, महिलाओं की सुरक्षा की बात आती है, देश के नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा की बात आती है, प्रधानमंत्री एक अंतहीन खामोशी और निद्रा में चले जाते हैं।

सरकारी राशन पर खाद्यान्न माफियाओं की नजर

खाद्यान्न माफिया गैर जनपदों में 50 किलो की प्लास्टिक की बोतलों में भरकर रातों-रात भेज कर रहे मोटी कमाई

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ- लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकारी खाद्य तथा रसद विभाग में सरकारी राशन पर अब खाद्यान्न माफिया की नजर है। ताजा मामला सदर तहसील क्षेत्र के सीतापुर रोड स्थित अग्रसेन नगर ताड़ी खाना र. त. गोदाम के पास नारायण कमर्शियल सेंटर के गोदाम में धर्म स्वामी बबलू बाथम द्वारा बड़ी-बड़ी वाहनों में सरकारी खाद्यान्न विभाग का चावल मंगवाया जाता है। और गोदाम में अलग-अलग 50 किलो की प्लास्टिक की बोतलों में भरकर रातों-रात अन्य जनपदों में भेज कर मोटी रकम कमाई जाती है। जिस तरह से सरकारी खाद्यान्न की



बड़े पैमाने पर यह तस्करी का कारोबार घड़ले से राजधानी में किया जा रहा है। इससे यह साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि कहीं ना कहीं सरकारी राशन खाद्यान्न विभाग के अधिकारियों का भी सहयोग हो क्योंकि इस काले कारनामे के बारे में जब एडीएम सिटी सप्लाई साहब लाल से जब इस कारनामे के बारे में जानकारी की गई तो उनके कान खड़े हो गए। और उन्होंने तत्काल डिप्टी आरो निश्चल को मौके पर पहुंचकर जांच के निर्देश दिए परंतु ना वहां पर कोई खाद्यान्न विभाग का कर्मचारी जांच करने पहुंचा और वही खाद्यान्न माफिया गोदाम में रखे सरकारी खाद्यान्न चावल की बोतलों को वहां से हटा दिया गया और रात के अंधेरे में सरकारी चावल को प्लास्टिक की बोतलों में किए गए



पैकिंग को भी रातों-रात गोदाम से अन्य जनपद भेजने का काम किया गया। जब इस विषय पर नारायण कमर्शियल सेंटर के फॉर्म स्वामी बबलू बाथम से इस विषय पर जानकारी की गई तो उन्होंने और अन्य व्यापारियों पर भी सरकारी चावल को खरीद कर इस तरह के काम करने के बारे में जानकारी दी कहा यह चावल सरकारी बोतलों में गल्ल मंडी में भारी मात्रा में किसान द्वारा लाया जाता है और वहां से हम व्यापारी प्राप्त कर गोदाम में ले जाकर अन्य प्लास्टिक की बोतलों में पैकिंग कर में जानकारी होने के बाद भी कार्रवाई करने में कतरा रहे हैं। अब देखना यह होगा कि इन खाद्यान्न माफियाओं पर कब कार्रवाई होगी बोतलों में पैक किया जाता है। और सरकारी दुकानों में भेज कर गरीबों को



रहा है। हाल ही में हांगकांग ने MDH के तीन और एक्सेट के एक मसाले को प्रतिबंधित कर दिया। इसके बाद सिंगापूर ने एक्सेट के एक मसाले को यह आदेश देते हुए प्रतिबंधित कर दिया कि इसमें एथिलोन ऑक्सालाइड का उच्च स्तर मौजूद है, जो मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त है और लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से कैंसर का खतरा है।

लेकिन जरा सोचिए भारत की सरकार कितनी लापरवाह, कमजोर और लचर है कि एक आदमी यहाँ सालों तक झूठे प्रचार से दवाएं बेचता रहे और सरकार कुछ भी न करे, जरा सोचिए नेस्ले अफोकिन, लैटिन अमेरिकन और भारत में ही खराब गुणवत्ता के उत्पाद क्यों बेच रही है? वह इसलिए, क्योंकि भारत समेत यहाँ सभी जगह विनियमकों को नागरिकों के स्वास्थ्य से ज्यादा कंपनियों के व्यापार में दिलचस्पी है। कभी सोचा है कि जिन सिंगापूर, हांगकांग और SA जैसे देशों में जहां निगमक सखाएं बहुत मजबूत हैं जब वहाँ ये भारतीय कंपनियां दुनिया को अपने जैसा ही लापरवाह और स्वास्थ्य से खिलवाड़ को आम बात समझने की भूल कर बैठी है। उनकी इसी भूल की वजह से भारत का नाम पूरी दुनिया में खराब हो

,अवैध तरीके से गैर जनपदों में कर रहे सप्लाई



राहत के लिए कम दामों में उपलब्ध कराया जाता है। अगर नारायण कमर्शियल सेंटर के गोदाम की अगर जांच हो तो हजारों कुंतल सरकारी चावल प्राप्त होगा और चावल के सैपल की जांच कर खुलासा होगा और कई चेहरे बेनकाब होंगे। क्योंकि सरकारी खाद्यान्न की तस्करी का सिंडिकेट बड़े पैमाने पर राजधानी में फैला हुआ नारायण कमर्शियल सेंटर की तरह कई ऐसे खाद्यान्न माफिया हैं जो यह कारोबार मुख्यमंत्री के नाक के नीचे बड़े पैमाने पर कर रहे हैं। और अधिकारी हैं जो की जानकारी होने के बाद भी कार्रवाई करने में कतरा रहे हैं। अब देखना यह होगा कि इन खाद्यान्न माफियाओं पर कब कार्रवाई होगी या फिर ऐसे ही गरीबों के सरकारी राशन की तस्करी डुका कारोबार फैलता रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ 1अभियुक्त गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना रामगढ़ पुलिस टीम द्वारा नाजायज शराब बनाने की भट्टी का भंडाफोड़ करते हुए एक अभियुक्त को 210 लीटर कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरणों सहित गिरफ्तार किया गया है। आगामी लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा शराब बनाकर बिक्री करने वाले अपराधियों पर सतर्क दृष्टि रखते हुये उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने हेतु दिए गए निर्देश के क्रम में थाना रामगढ़ पुलिस टीम द्वारा रविवार को कुशवाह नगर में भूरी सिंह कुशवाह के खाली पड़े क्षतिग्रस्त मकान में एक व्यक्ति शराब की भट्टी लगाकर अवैध रूप से कच्ची शराब निकाल रहा है की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुये अचबने मकान से अवैध कच्ची मिलावटी शराब बनाते हुये एक अभियुक्त योगेश उर्फ पेटसफा पुत्र रन्धीर सिंह निवासी नंगला मिर्जा बड़ा थाना रामगढ़ जनपद फिरोजाबाद को मय भारी मात्रा में कच्ची शराब व देशी शराब बनाने के उपकरण के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त से माल बरामदगी आधार पर विधिक कार्यवाही की गई है।

28 खीरी लोकसभा सीट पर अपनी प्रतिष्ठा बचा पाएंगे अजयमिश्रा टैनी,या पी डी ए देगा भाजपा को मात

अंतरकलह और महंगाई, बेरोजगारी, किसान मुद्दों, तथा गितरघात से जुड़ा रहे माननीय

अपनी ही पार्टी के तीन-तीन विधायकों की नाराजगी ना पड़ जाए साहब को भारी

निघासन विधानसभा के शशांक वर्मा ,पलिया के हरविंदर सिंह उर्फ रोमी साहनी, गोला से अमन गिरी की माननीय से नाराजगी के चलते बनाए हैं चुनाव प्रचार से व बड़ी मंचों से दूरी होना तथा किसी भी विधायक को शामिल न होना गितरघात की आशंका को बल देने को काफी है

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी लोकसभा चुनाव 2024 के महासंग्राम में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। इस महासंग्राम में मुख्य रूप

से मुकाबला एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी और गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टैनी और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी पूर्व विधायक उत्कर्ष वर्मा तथा बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अंशय कालरा के बीच ही सिमटता नजर आ रहा है। बहुजन समाज पार्टी से अंशय कालरा के मैदान में आने से और तेजी से सक्रिय होने के चलते चुनावी गणितीय समीकरण को उलट कर रख दिया है। अंशय कालरा सिख समाज से होने के चलते उनको सिख समाज और किसानों का समर्थन तो मिल ही रहा है साथ ही साथ दलित समाज का भी अच्छा खासा वोट मिलने की संभावना है। दलित समाज के एक खास वर्ग का मत अंशय कालरा की ओर मोड़ने से सभी प्रत्याशियों की धड़कनें तेज हो गई हैं। चुनावी रणनीतिकारों और विश्लेषकों की माने तो सिख समाज से बसपा प्रत्याशी होने से भाजपा प्रत्याशी की मुश्किलें जरूर बढ़ सकती हैं जिसका कहीं ना कहीं सीधा फायदा इंडिया गठबंधन को होता नजर आ रहा है इसके साथ ही इंडिया गठबंधन प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा को पीडीएफ फार्मुले का पूरा-पूरा लाभ मिलने के चलते सपा प्रत्याशी अच्छी खासी वह मजबूत स्थिति में दिखाई पड़ रहा है। 28 खीरी लोकसभा के सीट पर कांटे की टक्कर दिखाई पड़ रही है चुनावी जानकारी के अनुसार वर्तमान में मुख्य मुकाबला सपा प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा और भाजपा प्रत्याशी अजय मिश्रा के बीच होता दिखाई पड़ रहा

है। वही बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अंशय कालरा

मुकाबला को त्रिकोणीय बनाने के लिए जी तोड़ मेहनत करते दिखाई पड़ रहे हैं।

तीन विधायक मंत्री जी से बताए जाते हैं नाराज, और बनाए हैं चुनाव प्रचार से दूरी लोकसभा चुनाव का आगाज पूरे शबाब पर दिखाई पड़ रहा है। प्रत्याशी व उसकी पार्टी के नेता समर्थक मतदाताओं को अपने प्रत्याशी के पाले में लाने को जहां जी जान एक किए हुए चुनावी विशात बिछाने में लगे हैं।वही सत्तारूढ़ दल भाजपा के तीन-तीन विधायक अपने प्रत्याशी के चुनाव प्रचार से दूरी बनाए हुए दिखाई पड़ रहे हैं। यह सभी सत्ता रूढ़ दल भाजपा के वर्तमान तेज हो गई हैं। चुनाव प्रचार व बड़ी चुनावी मंचों से दूरी बनाए विधायकों की बात करें तो गोला विधायक अमन गिरी, पलिया विधायक हरविंदर सिंह, उर्फ रोमी साहनी निघासन विधायक शशांक वर्मा के नाम चर्चा का विषय बने हैं। राजनीति के जनकारों के अनुसार उक्त विधायक किसी भी बड़ी मंच पर नजर आते नहीं दिखाई पड़ रहे और ना ही प्रत्याशी के चुनाव प्रचार में ही दिखाई दे रहे हैं। इस सीट पर अपना की नाराजगी से पार्टी जूझती दिखाई पड़ रहा है। इसका कहीं ना कहीं पार्टी प्रत्याशी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। चुनावी रणनीतिकारों और विश्लेषकों के अनुसार बहुजन समाज पार्टी के मैदान में आने से



दलित वर्ग का एक बड़ा वोट बैंक भाजपा प्रत्याशी से काटता नजर आ रहा है। और किसान आंदोलन के समय घटित तिकोनिया हत्याकांड की घटना से नाराज सिख समाज के लोग और किसानों का एक बड़ा तबका भाजपा से किनारा करते हुए इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी की ओर जाता दिखाई पड़ रहा है। इंडिया गठबंधन प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा की बात करें तो सजतीय कुर्मी बिरादरी व मुस्लिम मतदाताओं का एकमुश्त वोट मिलने के साथ-साथ अन्य पिछड़ा वर्ग के मिल रहे समर्थन के चलते इंडिया गठबंधन से सपा के प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा काफी मजबूत स्थिति में दिखाई पड़ रहे हैं। इसका कहीं ना कहीं पार्टी प्रत्याशी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। चुनावी रणनीतिकारों और विश्लेषकों के अनुसार बहुजन समाज पार्टी के मैदान में आने से

की माने तो भाजपा का समाजवादी पार्टी व बहुजन समाज पार्टी अंदर खाने बनने नुकसान का अनुमान लगा रहे हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी कड़ी मेहनत करके अपने मूल वोटों को वापस लाने का लगातार प्रयास करती नजर आ रही है। यह तो सत्य के गर्भ में है। समाजवादी पार्टी गांव गांव नुकड़ सभाओं के माध्यम से अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश में लगी है। सभा प्रत्याशी वोटों को लुभाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। कुल मिलाकर इस लोकतंत्र के महाकुंभ में आम जनता पूरी इंडिया गठबंधन से सपा के प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा काफ़ी मजबूत स्थिति में दिखाई पड़ रहे हैं। इसका कहीं ना कहीं पार्टी प्रत्याशी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। चुनावी रणनीतिकारों और विश्लेषकों के अनुसार बहुजन समाज पार्टी के मैदान में आने से



तथा आवश्यक हो तो जल्द से जल्द नियमानुसार उक्त मार्ग का निर्माण कर न्यायालय को जवाब दे उक्त मामले में अधिवक्ता विजय बहादुर सिंह एवं आशुतोष सिंह ने याचिकाकर्ता की तरफ से बहस किए

कच्चा करने की नियत से फसल नष्ट करने का लगाया आरोप



शाहाबाद हरदोई। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पुरवा पिपरिया में दबंगों पर जमीन पर अवैध कब्जे की नियत से खेत में खड़ी फसल नष्ट करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में लिखित प्रार्थना पत्र दिया गया है।पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। क्षेत्र के ग्राम पुरवा पिपरिया निवासी वीरपाल पुत्र प्रयास कितना सार्थक होता है। यह तो समय के गर्भ में है। समाजवादी पार्टी गांव गांव नुकड़ सभाओं के माध्यम से अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश में लगी है। सभा प्रत्याशी वोटों को लुभाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। कुल मिलाकर इस लोकतंत्र के महाकुंभ में आम जनता पूरी इंडिया गठबंधन से सपा के प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा काफ़ी मजबूत स्थिति में दिखाई पड़ रहे हैं। इसका कहीं ना कहीं पार्टी प्रत्याशी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। चुनावी रणनीतिकारों और विश्लेषकों के अनुसार बहुजन समाज पार्टी के मैदान में आने से

की माने तो भाजपा का समाजवादी पार्टी व बहुजन समाज पार्टी अंदर खाने बनने नुकसान का अनुमान लगा रहे हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी कड़ी मेहनत करके अपने मूल वोटों को वापस लाने का लगातार प्रयास करती नजर आ रही है। यह तो सत्य के गर्भ में है। समाजवादी पार्टी गांव गांव नुकड़ सभाओं के माध्यम से अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश में लगी है। सभा प्रत्याशी वोटों को लुभाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। कुल मिलाकर इस लोकतंत्र के महाकुंभ में आम जनता पूरी इंडिया गठबंधन से सपा के प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा काफ़ी मजबूत स्थिति में दिखाई पड़ रहे हैं। इसका कहीं ना कहीं पार्टी प्रत्याशी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। चुनावी रणनीतिकारों और विश्लेषकों के अनुसार बहुजन समाज पार्टी के मैदान में आने से

संक्षिप्त ख़बरें

खेत में काम कर रहे ग्रामीण को तेंदुए ने हमला कर किया घायल

पूरनपुर। गांव के समीप खेत में काम कर रहे गांव बंजरिया निवासी देवेश मिश्रा (46) को तेंदुए ने हमला कर घायल कर दिया। देवेश ने बताया कि उसका गांव जंगल के समीप है। शनिवार को गांव के समीप खेत में काम कर रहा था। इस दौरान झाड़ियों से निकले तेंदुए ने उसके पर हमला कर दिया। हमलावर तेंदुए ने उसका हाथ मुंह में ले लिया। घायल को सीएचसी लाया गया। घायल का इलाज करने वाले सीएचसी के चिकित्सक डॉ. राशिद ने बताया कि देवेश एक हाथ में तेंदुए का नाखून लगा है। इलाज कर उसे घर भेज दिया गया है। वन एवं वन्य जीव प्रभाग के डिप्टी रंजर कपिल कुमार ने बताया कि स्ट्राफ को सीएचसी भेजा गया। जांच कराई जा रही है

गोमती में पानी पहुंचाने को तेज हुए प्रयास

कलीनगर। गोमती उद्गम स्थल समेत नदी में पानी पहुंचाने के लिए गोमती भक्तों के रोष के बाद प्रयास तेज हो गए हैं। शनिवार को तहसीलदार पूनपुर वीरेंद्र सिंह ने माइनर में पानी की क्षमता बढ़ाने के लिए रजवाहा नहर पर पहुंचकर फाटकों को खुलवाया। फाटक खोले जाने से माइनर के जरिये गोमती नदी तक डाले गए नाले में पानी का प्रवाह बढ़ने की उम्मीद जगी है

दबंग का तमंचे के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल नहीं हुई कार्य वाही

बरेली । थाना भमोरा में हनक दिखाने के चक्कर में एक युवक ने सोशल मीडिया पर इस तरह के वीडियो वायरल करते हुए हनक जाहिर की। मगर पुलिस ऐसे लोगों पर कार्यवाही भी नहीं करती है । लेकिन मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं । ऐसा ही एक तीन दिन से एक वीडियो दबंग निखिल का काफी समय से वायरल होता नजर आ रहा है । जिसमें युवक फिल्मी गाने पर डांस करते तमंचे को तहरा रहा है । वीडियो करीब 11 सेकेंड का है । जिसमें तमंचा हाथ में लेकर वीडियो बनाता दिख रहा है । जानकारी के अनुसार थाना भमोरा क्षेत्र के सिंचा गाँव निवासी निखिल का बताया जा रहा है । थाना प्रभारी ने बताया कि यह मामला मेरे सज्ञान में नहीं है । जाँच करारकर युवक के खिलाफ कार्यवाई करने की बात कही है ।

लोगों के साथ खड़े होकर उनकी समस्याओं का समाधान करना ही हमारा लक्ष्य --अंशय कालरा बसापा प्रत्याशी



लखीमपुर खीरी, 28 अप्रैल, 2024
खीरी लोकसभा सीट से बसपा के उम्मीदवार अंशय कलरा का निर्घमित जनसंपर्क जारी है। आज वह बरोला क्षेत्र में बाघ के हमले में घायल लोगों से मिलने के लिए अस्पताल गए। उन्होंने इन घायलों को मदद के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।अंशय कलरा ने बताया कि उनका लक्ष्य लोगों के साथ खड़ा होकर उनकी समस्याओं का समाधान करना है। वे समाज के निर्विघ्न विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और सभी लोगों को समाज अधिकार और सुविधाएं दिलाने का आश्वासन देते हैं। क्षेत्र में जनसंपर्क के दौरान जनता के मिल रहे अपार समर्थन से विपक्षियों के हौसले फर्सूट दिखाई पड़ रहे हैं और खीरी लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के गण्णतीय समीकरण उज्टा होते दिखाई पड़ रहे हैं।

नाजायज गांजा के साथ एक गिरफ्तार

अदलहाट, मीरजापुर। थाना क्षेत्र के रसूलागंज मोड़ के पास से रविवार को पुलिस ने एक व्यक्ति को 450 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसआई जयदीप सिंह सँदिध व्यक्ति व वाहन चेकिंग कर रहे थे कि सूचना मिली की एक व्यक्ति प्लास्टिक के झोले में नाजायज गांजा लेकर पडुडिया बनाकर इधर उधर घूम कर बेच रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही वह तेजी से भागने लगा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर तलाशी लिया तो प्लास्टिक के झोले में नाजायज 450 ग्राम गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपित प्रिन्स पटेल पुत्र विनोद पटेल ग्राम हिनौती थाना चकिया जनपद चन्दौली का निवासी है।

गेहूं खरीद 10 केंद्र प्रभारियों को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि

स्वतंत्र प्र भात

पीलीभीत। 10 मीट्रिक टन से कम गेहूं खरीद करने वाले सहकारिता विभाग के 10 केंद्र प्रभारियों को जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दी है। इसके साथ ही एआर कोऑपरेटिव को तीन दिन में सुधार न होने पर दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। लक्ष्य के सामेक्ष खरीद पूरा करने के लिए प्रशासन की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बाद भी कुछ केंद्र प्रभारी इसमें लापरवाही दिखा रहे हैं। 11 एवं 12 अप्रैल को प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद ने जिले में गेहूं खरीद को लेकर निरीक्षण किया था। उन्होंने भी खरीद संतोषजनक न होने की बात कही थी। इसके बाद 22 अप्रैल को विशेष सचिव खाद्य एवं रसद ने भी यहां पहुंचकर खरीद का जायजा लिया। कम

पति ने पति को तीन बच्चो सहित मार पीट कर घर से निकाल दिया है

स्वतंत्र प्र भात

बरेली । पति ने मारपीट का घर से निकाला पांच बच्चों की मां को तीन बच्चों के साथ दो दिन से दर-दर भटक रही मांग-मांग कर भर रही पेट थाना विशारतगंज पहुंची तो पुलिस ने कह दिया लिखवा कर लाओ तहरीर। किसी तरह पीड़िता तहरीर भी लिखवा लेकर आई तो कह दिया तुम घर जाओ।

हम वही पहुंच जाएंगे। घर पहुंची तो फिर पति ने मारपीट कर निकला घर से जगह-जगह बैठकर महिलाओं को दिखा रही अपने शरीर के जख्म। थाना क्षेत्र के नंदगांव गांव निवासी प्रेमराज लोधी की पत्नी ललिता देवी ने शनिवार को थाना पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाते हुए बताया है, कि वह बिहार के झारखंड की रहने वाली है । और नंदगांव के गिरधारी लाल के पुत्र हीरालाल के साथ उसकी 10 वर्ष पूर्व शादी हुई थी ।हीरालाल से उसके दो पुत्रों व एक पुत्री का जन्म हुआ कुछ दिनों बाद हीरालाल की मृत्यु हो गई । जिसके बाद परिवार के लोगों ने परिवार के ही दामोदर के पुत्र प्रेमराज के साथ उसकी शादी करा दी। प्रेमराज द्वारा



खरीद करने वाले केंद्र प्रभारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। शासन स्तर से मिले निर्देश के बाद जिलाधिकारी इसमें लापरवाही दिखा रहे हैं। इन सभी केंद्र प्रभारी को चेतावनी दी गई है कि तीन दिन में सुधार न होने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

डिप्टी आरएमओ विजय कुमार ने बताया दसों केंद्र प्रभारियों ने 56 दिनों में 10-10 मीट्रिक टन से भी कम खरीद की है। इससे खरीद के प्रति उनकी लापरवाही निरसा, सरदार नगर, परेवा वैश्य,



उसके दो पुत्रों का जन्म हुआ कुछ दिनों से ही प्रेम राज उसके साथ मारपीट करने लगा ।

आए दिन मारपीट कर घर से निकाल देता है । शुक्रवार को प्रेमराज ने ललिता देवी को तीन बच्चों के साथ मारपीट का घर से निकाल दिया । और अपने दो बच्चों को रोक लिया । किसी तरह ललिता देवी थाना बिशारतगंज पहुंच गई । रात्रि हो गई तो वह कस्बे में ही किसी के घर रुक गई । और सुबह होते ही थाना पहुंची तो पुलिस ने तहरीर लिखवा कर लाने को कह दिया ।

रोती-बिलखती ललिता किसी तरह तहरीर भी लिखाकर ले आई ।और पुलिस को आप बीती बताई व पति द्वारा की हुई पिटाई से शरीर पर बने जख्मों के बारे में भी अपना दर्द बयां किया।पुलिस ने तहरीर

बरेली मंडल

सरफिरे प्रेमी ने प्रेमिका के गाल पर गर्म सरिया से गोदकर लिखा अपना नाम ।

● पीड़िता ने मामले की एस्पी कार्यालय में की शिकायत

शादी से इनकार करने पर प्रेमी ने रस्सी से बांधकर किया रेप....लोहे की गर्म राड से दोनों गालों पर लिखा अपना नाम

अमन

स्वतंत्र प्र भात

लखीमपुर–खीरी ।जनपद मे एक हैरान कर देने वाला मामला प्रकाश मे आया है, जहां प्रेमिका के शादी से इंकार करने पर सरफिरे प्रेमी ने बर्बरता के साथ खौफनाक वारदात को अंजाम दे डाला। सिरफिरे प्रेमी ने प्रेमिका के हाथ परे बांधकर रेप किया और इसके बाद गुस्से में प्रेमिका के गाल पर लोहे की गर्म रॉड से जबनर अपना नाम अमन लिख डाला।

धौरहरा थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले अमन नाम के लड़के का अपने ही गांव की एक लड़की से पिछले कई सालों से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। लेकिन अभी हाल में जब अमन ने अपनी प्रेमिका से शादी करने की इच्छा जताई तो युवती ने मना कर दिया इससे अमन भड़क उठा और गुस्से में उसने लोहे की गर्म रॉड से युवती के दोनों गालों पर अपना नाम,रूह लिख दिया।पुलिस ने युवती की तहरीर पर आरोपी युवक अमन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।फिलहाल आरोपी की तलाश की जा रही है। मगर वह अभी फरार है।

लखीमपुर खीरी के सीओ के नाम पर मांगा 45 लीटर डीजल

स्वतंत्र प्र भात

लखीमपुर खीरी हापुड़ आरपीएफ मुरादाबाद में तैनात एक मुख्य आरक्षी चालक ने पुलिस लाइन परिवहन शाखा से सीओ की सरकारी कार बताकर 45 लीटर डीजल भरवाने का प्रयास किया। लेकिन जांच के बाद मामला खुल गया, जिसके बाद शाखा में तैनात उपनिरीक्षक ने आरोपी आरक्षी चालक के खिलाफ कोतवाली हापुड़ नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस लाइन परिवहन शाखा में तैनात उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह ने बताया है कि बृहस्पतिवार को पुलिस लाइन लखीमपुर खीरी में तैनात मुख्य आरक्षी चालक संतोष कुमार अपने आपको लखीमपुर खीरी सीओ का चालक बताते हुए उपनिरीक्षक परिवहन शाखा जिला गौतमबुद्धनगर के नाम एक प्रार्थना पत्र लेकर सरकारी कार्य के लिए 45 लीटर डीजल भरवाने के लिए कहा।उपनिरीक्षक के जिला लखीमपुर खीरी में दो माह की तैनाती और प्रेषित प्रार्थना पत्र के संदर्भ में पूछताछ करने पर उन्हें चालक पर शक हुआ। इस पर

आयुर्वेदिक अस्पताल के फार्मासिस्ट की भूसी के ट्रक से टकराने से हुआ गंभीर घायल, लखीमपुर रेफर

स्वतंत्र प्र भात

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना नीमगांव क्षेत्र के अंतर्गत गोला सिकंदराबाद हाइवे के निकट बसे गांव बेलाबोझी में लगी एक धान चक्की पर सडक पर खड़ी कर भूसी भर रही ट्रक संख्या इ06/ छ्क्र 8521मे सामने से आ रही मोटर साईकिल संख्याइ1/डू,0121 स्पेलंडर सवार जा टकराया जिससे व गम्भीर रूप से घायल हो गया,घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंचे परिजनो व चौकी सिकंदराबाद पुलिस ने निजी वाहन से गम्भीरा अवस्था के चलते लखीमपुर भेजा दिया है ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना नीमगांव क्षेत्र के गांव निवासी अनंगपाल वर्मा पुत्र पुनई जो कि निकटवर्ती गांव जडौरा मे एक

स्वतंत्र प्र भात

लखीमपुर खीरी जनपद में हृदयरोग विशेषज्ञ आ जाये। राष्ट्रवाद के नाम पर वोट लेंगे, हिंदुत्ववाद के नाम पर वोट लेंगे लेकिन जब राष्ट्रवादी ही नहीं बचेगे फिर वोट कौन करेगा।

बड़े बड़े पदाधिकारी है हमारे सत्यापन मौके पर जाकर टीम द्वारा किया गया । इसकी जानकारी अवर अंधधंधता लोक निर्माणविभाग प्रवीण चौहान ने दी । सम्पूर्ण सत्यापन के पश्चात पर्यटन विभाग द्वारा रजिस्ट्री प्रक्रिया आरंभ हो जायेगी।

क्राइम



दुर्गम रॉड से प्रेमिका के चेहरे पर लिखा अपना नाम, लव मैरिज से इनकार पर दी सजा

किशोरी की मां ने बताया कि घटना 19 अप्रैल की सुबह करीब 11*30 बजे की है। उसकी बेटी पर चून की दुकान पर सामान लेने गई थी। जब वह वापस आ रही थी। तभी रास्ते में गांव के ही एक युवक ने उसको उठा लिया और अपने घर में तीन दिन बंद करके बेटी को शारीरिक यातनाएं दीं। बेटी जब घर नहीं पहुंची तो वह उसकी तलाश कर रहीं थी।

पुलिस ने नहीं की कोई कार्रवाई

तीसरे दिन शाम को किसी तरह से चंगुल से छूटी पुत्री घर पहुंची। उसकी मां का कहना है कि जब उन्होंने बेटी से पूछताछ की तो उसने घटना की जानकारी दी और बताया कि उसके चेहरे पर लाइटर से लोहे की पतली छड़ गर्म कर आरोपी ने अपना नाम लिख दिया है। इस पर परिजन पीड़ित आरोपी को लेकर थाना धौरहरा पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। शुक्रवार को पीड़िता परिवार वालों के साथ

लखीमपुर खीरी के सीओ के नाम पर मांगा 45 लीटर डीजल



उन्होंने लखीमपुर खीरी की परिवहन शाखा में संपर्क कर चालक के संबंध में जानकारी प्राप्त की तो इस कार का नंबर व चालक दोनों को सँदिध बताया गया।

उन्होंने आरोपी चालक से पुलिस परिचय पत्र एवं अन्य कोई पहचान पत्र उपलब्ध कराने के लिए कहा। इस पर आरोपी चालक ने अपने आप को एसपी राजकीय रेलवे पहुंचा। उसने सीओ की सरकारी कार में सरकारी कार्य के लिए 45 लीटर डीजल भरवाने के लिए कहा।उपनिरीक्षक के जिला लखीमपुर खीरी में दो माह की तैनाती और प्रेषित प्रार्थना पत्र के संदर्भ में पूछताछ करने पर उन्हें चालक पर शक हुआ। इस पर

एएसपी से मिली और पूरी बात बताई एएसपी पूर्वी पवन कुमार गौतम के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि टुकर्म और पाबसो एकट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है।

लड़की ने लगाया आरोप
आरोप है कि इसके बाद अमन ने गुस्से में लड़की के दोनों गालों पर गरम रॉड से अपना नाम लिख दिया. पुलिस के पास शिकायत करने पहुंची लड़की ने अमन पर यौन उत्पीड़न का भी आरोप लगाया है. उसने आजतक को बताया, हम दुकान पर सामान लेने गए थे. 19 तारीख को हमारा मुंह दबाकर वह लड़का हमें अपने घर उठा ले गया. फिर हमारे साथ गलत काम किया. फिर उसने रॉड से हमारा चेहरा जला दिया. अपना नाम लिख दिया. उसकी बहन और उसकी मां ने हमको पकड़ रखा था. हम चिख्बते रहे कोई हमें बचाने नहीं आया. हमें इंसाफ चाहिए. हम उस लड़के को सजा दिलाना चाहते हैं. वो बोल रहा था कि हमसे शादी करो. हमने मना कर दिया तो उसने हमारा चेहरा खराब कर दिया।

लखीमपुर खीरी के सीओ के नाम पर मांगा 45 लीटर डीजल



अंकित था। वहीं, प्रतिसार निरीक्षक महेश चंद ने एस्पी जीआरपी अनुभाग मुरादाबाद से फोन पर जानकारी प्राप्त की। जानकारी करेने पर एस्पी ने बताया कि यह कर्मि मेरी सरकारी गाड़ी का चालक तो नहीं है, लेकिन वर्तमान समय में जीआरपी लाइन में नियुक्त है। प्रतिसार निरीक्षक ने बताया कि पूर्व में भी आरोपी चालक द्वारा फर्जी तरीके से वाहन में 30 लीटर डीजल भरवा चुका है। इस वाहन का कागजात की जांच की गई तो सभी गलत पाई गई। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आयुर्वेदिक अस्पताल के फार्मासिस्ट की भूसी के ट्रक से टकराने से हुआ गंभीर घायल, लखीमपुर रेफर

स्वतंत्र प्र भात



आयुर्वेद अस्पताल मे फार्मासिस्ट है। जो कि गोला मे अस्पताल के किसी कार्य हेतु गोला आयुर्वेद अस्पताल गोला गये हुये थे ,और वह लगभग तीन बजे के समय वापस आ रहे थे जैसे ही वह बेलाबोझी गांव के निकट लखीमपुर भेज दिया है।सिकंदराबाद पुलिस ने ओवरलोड भूसी भरे ट्रक को अपने कब्जे वहा गम्भीर रूप से घायल हो गये ,राहगीरो

अमर मान ले, मन ही मन संतुष्ट हो ले। भगवान खै खबर इनकी भी लोग। दुर्भाग्य है हम लखीमपुर खीरी वालों का की यहाँ की धरती से निकले आज बड़े पदों पर आसीन है लेकिन मजाल है आवाज उठाई हो कार्डियोलोजिस्ट के लिए। क्योंकि उनके पास अथाह धन है वह सीधे लखनऊ, दिल्ली चले जाते हैं। आम आदमी कहां जाए?बहुत क्रोध आता है वर्तमान की स्थिति देखकर परन्तु सब जिंदाबाद करने के चक्कर मे मुहँ पर टैप लगाए बैठे हैं। और इंतजार कर रहे अपनी बारी का।चुनाव का समय है



की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनो ने सिकन्दरवाद पुलिस को सूचित किया जिसके चलते अपने दलबल के साथ चौकी इंचार्ज सिकंदराबाद आशीष सहरावत ने घायल को अति गंभीरता अवस्था के चलते लखीमपुर भेज दिया है।सिकंदराबाद पुलिस ने ओवरलोड भूसी भरे ट्रक को अपने कब्जे मे ले लिया है।



बढिया मौका है दोस्तों आप भी आवाज उठाये, हम भी उठा रहे हैं। होगा कुछ नही ये हमे भी पता है परंतु प्रयास करने में क्या जाता है।



बड़े मियां तो बड़े मियां, छोटे मियां सुभानअल्लाह

आदर्श आचार संहिता की ध्वजियां उड़ाने में बड़े मियां तो बड़े मियां, छोटे मियां सुभानअल्लाह की कहवत चरितार्थ होती दिखाई दे रही है। चुनावों में मतदाताओं को आतंकित करने के आरोपी देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के बारे में उनकी पार्टी अध्यक्ष को जबाब देना है लेकिन इसके पहले उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री जी से भी आगे निकल गये। वे भाषण दे रहे हैं कि कांग्रेस मुसलमानों को गौमांस खाने का अधिकार देना चाहती है।

दरअसल हमारे यहां कौन, किसको क्या आजादी देना चाहता है या दे चुका है ये किसी को पता नहीं है। केंद्रीय चुनाव दंतहीन, नखहीन ही नहीं अब श्रवणहीन भी हो चुका है। उसे केवल गैर भाजपाई दलों के नेताओं के भाषण सुनाई देते हैं। भाजपा नेताओं खासतौर पर प्रधानमंत्री जी के भाषणों को तो केंचुआ अपने-रंभों में प्रविष्ट ही नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि कांग्रेस आई तो महिलाओं का मंगलसूत्र छीन कर मुसलमानों को दे देगी। वे बोले कांग्रेस आई तो आपकी विरासत पर टैक्स लगा देगी ? तो क्या सचमुच प्रधानमंत्री जी को कांग्रेस सत्ता में आती हुई दिख रही है ? वो भी भाजपा और खुद प्रधानमंत्री जी की दस साल की दिन-रात की मेहनत के बाद आती दिख रही है।

मुझे कभी-कभी लगता है कि कांग्रेस सत्ता में आये या न आये लेकिन भाजपा ने मान लिया है कि कांग्रेस आ रही है। इसीलिए अब प्रधानमंत्री जी के प्रधान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सत्तापत की स्थिति में आकर आय-बाय बोलने लगे हैं। सत्तापत में आदमी कुछ का कुछ बोल जाता है। उसे जो बोलना चाहिए वो बोल नहीं पाता और जो नहीं बोलना चाहिए उसे जोर देकर बोलता है। योगी जी उत्तर प्रदेश के उत्तरदायी मुख्यमंत्री हैं लेकिन गैर जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं। जनता को बरगला रहे हैं कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों को गौमांस खाने का अधिकार देना चाहती है। योगी जी को कौन बताये की दाने -दाने पर, रेशे-रेशे पर खाने वाले का नाम लिखने वाला कोई और है। कौन क्या खायेगा और क्या पहनेगा इसका फैसला कम से कम लोकतंत्र में सरकारें तो नहीं करतीं। पहले भी नहीं करतीं थीं आज भी नहीं करतीं। लेकिन योगी जी और मोदी जी मिलकर बहुसंख्यकों के सामने अल्पसंख्यक मुसलमानों का भय पैदा कर रहे हैं। इसके लिए भारत के नागरिक मुसलमानों को ही हौआ बनाया जा रहा है। हौआ बच्चों को भयभीत कर सुलाने के लिए अवसर माताएं



बनाती रहती हैं, किन्तु अब सरकारों अपनी कुरसी बचाये रखने के लिए हौआ बनाने पर उतर आयी हैं। जबकि हौआ का कोई वजूद होता ही नहीं है। भारतीय मतदाता इतना बुद्धि भी नहीं है कि हौआ के वजूद पर आसानी से यकीन कर ले।

कायदे से भाजपा के प्रबुद्ध नेताओं को बयानबाजी करने से पहले स्वाध्याय कर लेना चाहिये। गौमांस को लेकर भी योगी जी या उनकी पार्टी का ज्ञान अपूर्ण है। शायद वे नहीं जानते कि मांस निर्यात पर सरकारी रिपोर्ट क्या कहती है ? ओएसडीए की सरकारी रिपोर्ट उठाकर देख लीजिये जिसमें कहा गया है कि 2014 में भाजपा की सरकार केंद्र में आने के बाद के बाद भारत का मांस का निर्यात बढ़ा है। सन् 2017 में मांस निर्यात को लेकर लोकसभा में सरकार की ओर से कहा गया था कि मांस निर्यात में 17,000 टन की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यही नहीं, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014-2017 के बीच तीन सालों में बूचड़खानों के लिए लगभग 68 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी थी। देश में मांस का निर्यात [जिसमें गौमांस भी शामिल है] आज से नहीं बहुत पहले से हो रहा है। मांस कि निर्यात से भारत 4 अरब डॉलर कमाता है। ये हकीकत है कि वर्ष 2006 में मनमोहन सरकार के समय से भारत से मांस के निर्यात में बढ़ोतरी आने का जो सिलसिला आरंभ हुआ, वह आज 2024 में नंबर 1 बौफ निर्यातक तक भारत को पहुंचा चुका है। 'वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन' की फरवरी, 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार बौफ निर्यात के क्षेत्र में वर्ष 2006 से 2016 के बीच भारत में

जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2006 में बौफ के विश्व व्यापार में भारत का योगदान महज 2 प्रतिशत था, जबकि वजूद होता ही नहीं है। भारतीय मतदाता इतना बुद्धि भी नहीं है कि हौआ के वजूद पर आसानी से यकीन कर ले।

बहरहाल अभी देश में अठारहवीं लोकसभा कि लिए मतदान कि केवल दो चरण समाप्त हुए हैं। पांच चरण अभी शेष हैं। इनमें यदि आदर्श आचरण चुनाव संहिता का सख्ती से पालन न किया गया तो ये चुनाव इस सदी के सबसे दूषित चुनाव होंगे। मुझे 1971 से लेकर 2019 तक के तमाम चुनावों का स्मरण है। मुझे लगता है कि ये पहला और शायद अंतिम चुनाव होगा जिसमें किसी दल की कोई आदर्श आचार संहिता नहीं है। हर दल कहीं न कहीं कम या ज्यादा इस संहिता की ध्वजियां उड़ा रहा है। कांग्रेस भी इस दोष से मुक्त नहीं है। बाकी के दलों के बारे में तो कहा ही क्या जाये ? लेकिन केंचुआ ले-देकर कांग्रेस और दूसरे दलों के ऊपर कार्रवाई की चूड़ी गांठता है। सत्तारूढ़ दल के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर उसकी रूढ़ कांपती है [वैसे केंचुआ की कोई रूढ़ बची नहीं है]।

राजधर्म तो कहता है कि केंचुआ मोदी जी और योगी जी को कम से कम एक चरण के लिए चुनाव प्रचार करने से रोके, प्रतिबंधित करे। इस समय में नेतागण

संपादकीय जातियों की ओर बढ़ता चुनावी चरण

जातिगत राजनीति की ओर



लोकसभा चुनाव के दो चरण सम्पन्न हो चुके हैं, उत्तर प्रदेश में इसकी परिचय से हुई थी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तीसरे चरण तक चुनाव पूरी तरह से सम्पन्न हो जायेगा। इसके बाद जैसे ही चुनावी चरण मध्य उत्तर प्रदेश से शुरू होकर पूर्वी उत्तरप्रदेश में प्रस्थान करेगा। जातियों का बोलबाला शुरू हो जाएगा। कभी मध्य उत्तर प्रदेश को समाजवादी पार्टी का गढ़ कहा जाता था लेकिन आज वहां वह स्थिति नहीं है। भारतीय जनता पार्टी ने समाजवादी पार्टी के गढ़ में काफी डेमेज किया है। और समाजवादी पार्टी के पास अपने गढ़ को बचाने की चुनौती होगी। फिरोजाबाद, एटा, मैनपुरी, इटावा, बदायूं, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात यादव बाहुल्य क्षेत्र हैं। और इन क्षेत्रों के लोगों को मुलायम सिंह यादव नाम से जानते थे। लेकिन जैसे ही वह अस्वस्थ हुए सपा की पकड़ भी इन क्षेत्रों में ढीली हो गई।

मुलायम सिंह यादव के बाद जब अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी की कमान सभाली थी तब शिवपाल सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी का इन क्षेत्रों में बहुत नुकसान किया था। लेकिन अब शिवपाल सिंह यादव फिर से समाजवादी पार्टी के सूत्र हैं और अब उनके ऊपर यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी होगी कि वह इस गढ़ को बचाने के लिए प्रयास करें। इन क्षेत्रों की स्थिति यह है कि यदि यादव और मुस्लिम मत एक हो जाए तो समाजवादी पार्टी को हराना काफी संभव है। हालांकि काफी संख्या में यहां पर ब्राह्मण और क्षत्रिय वोट भी है, तथा अन्य पिछड़ी जातियों को मिलाकर भारतीय जनता पार्टी ने समाजवादी पार्टी के इस भ्रम को निखले कई चुनावों में तोड़ा है। फिर भी आज इन क्षेत्रों में तीसरी किसी पार्टी के लिए कुछ भी नहीं है और मुकाबला सीधे भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच ही है। भारतीय जनता पार्टी के इन क्षेत्रों में मजबूत होने से सपा को एक जो सबसे बड़ा नुकसान हुआ है वह है उनके कार्यकर्ताओं द्वारा सपा का साथ छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लेना। कभी समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हुआ करता था। छिनती है, सत्ता ही मंगलसूत्र बांटती है। सत्ता ही आपके नोट रद्दी कर देती है और सरकार ही उनमें प्राण फूंकती है। आज दुनिया में अमरीकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की जो दुर्दशा है उसके लिए कोई अल्पसंख्यक या बहुसंख्यक जिम्मेदार नहीं है। इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। देश का सोना कोई अल्पसंख्यक या बाहुसंख्यक नहीं बेचता सरकार बेचती है। इसलिए डरना है तो अपने पड़ोसी से मत डरिये। डरिये तो केवल उस सरकार से डरिये जो आततायी है। पक्षपाती है। समदर्शी नहीं है। बात सबको साथ लेकर चलने की कहती है लेकिन चलती नहीं है। सबका विकास करने की बात करती है किन्तु करती नहीं है। इसलिए जागो!

बैल्ट के बाद जैसे ही चुनावी पूर्वांचल की तरफ रुख करेगा। जातियों का बोलबाला और अधिक शुरू हो जाएगा। जिस विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव मुख्यमंत्री चुने गए थे उसमें पूर्वांचल का बहुत बड़ा हाथ था। पूर्वांचल ने समाजवादी पार्टी को बंपर वोट दिया था। क्यों कि वहां के सभी बड़े नेता समाजवादी पार्टी के ही साथ थे। लेकिन धीरे-धीरे समय का चक्र चला और वहां तमाम जातियों के छोटे-छोटे नेता तैयार हो गये। हालांकि यह नेता अकेले कुछ भी करने में अक्षम थे तो उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का सुरक्षित साथ पकड़ा और यहां भी समाजवादी पार्टी की पकड़ ढीली हो गई। ऐसा नहीं है कि वहां भारतीय जनता पार्टी को हराया नहीं जा सकता, लेकिन मेहनत करनी होगी। घोसी विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव यह बात स्पष्ट करते हैं कि यदि मेहनत की जाए तो कुछ भी असंभव नहीं है। एक समय था कि उत्तर प्रदेश की खासकर पूर्वी उत्तर प्रदेश की विभिन्न जातियों पर समाजवादी पार्टी की अच्छी पकड़ थी। भारतीय जनता पार्टी ने स्वयं तो जातियों पर पकड़ नहीं बना पाई लेकिन विभिन्न छोटे छोटे जातिगत राजनीति करने वाले दलों को अपने साथ मिलाकर जातिगत समीकरण जरूर साध दामन थाम लेना। कभी समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हुआ करता था। छिनती है, सत्ता ही मंगलसूत्र बांटती है। सत्ता ही आपके नोट रद्दी कर देती है और सरकार ही उनमें प्राण फूंकती है। आज दुनिया में अमरीकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की जो दुर्दशा है उसके लिए कोई अल्पसंख्यक या बहुसंख्यक जिम्मेदार नहीं है। इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। देश का सोना कोई अल्पसंख्यक या बाहुसंख्यक नहीं बेचता सरकार बेचती है। इसलिए डरना है तो अपने पड़ोसी से मत डरिये। डरिये तो केवल उस सरकार से डरिये जो आततायी है। पक्षपाती है। समदर्शी नहीं है। बात सबको साथ लेकर चलने की कहती है लेकिन चलती नहीं है। सबका विकास करने की बात करती है किन्तु करती नहीं है। इसलिए जागो!

दैनिक राशिफल 28/04/2024



1. मेष
राजमान व यश में वृद्धि होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। काफी समय से लंबित कार्यों में गति आएगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।
2. वृष
शत्रु कोई बड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं। वाहन व मशीनरी के कार्यों में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। समय पर किसी कार्य का भुगतान नहीं कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय साधारण रहेगा।
3. मिथुन
दुष्टजनों से सावधान रहें। शारीरिक कष्ट से बाधा तथा हानि संभव है। बेचैनी रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में मातहतों का साथ रहेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। अज्ञात भय रहेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता रहेगी।
4. कर्क
शत्रु सक्रिय रहेंगे। सावधानी आवश्यक है। घर-परिवार की चिंता रहेगी। चोट व रोग से बचें। कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन संबंधी

5. सिंह
विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पस्त होंगे। उनकी एक नहीं चलेगी। किसी मांगलिक-आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। हल्की हंसी-मजाक से बचें। कार्यक्षेत्र में उत्साह व प्रसन्नता बनी रहेगी।
6. कन्या
परिवार के छोटे सदस्यों की अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश संभव है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। लाभ में कमी रहेगी। उत्साह की कमी महसूस करेंगे। व्यापार ठीक चलेगा।
7. तुला
सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। थोड़े प्रयास से ही रुके काम बनेंगे। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है।
8. वृश्चिक
सुख के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। अज्ञात भय रहेगा। चिंता तथा तनाव रहेगे। शूल-बिसाचों साधियों से मुलाकात होगी। भूमे-विमाचरों की प्राप्ति से प्रसन्नता होगी। आत्मविश्वास

में वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम करने की इच्छा प्रबल होगी।
9. धनु
वैवाहिक प्रस्ताव विवाह के उम्मीदवारों का इंतजार कर रहा है। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। अनहोनी की आशंका रह सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।
10. मकर
राजभय रहेगा। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। विवाद को बढ़ावा न दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। कुसंगति से बचें। हानि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।
11. कुंभ
स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। काकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देंगे। निवेशादि शुभ रहेंगे। उत्साह में वृद्धि होगी।
12. मीन
विवेक से कार्य करें। सुख के साधन जुटेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में सहकर्मी विशेषकर महिला वर्ग से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। किसी बात का विरोध हो सकता है। कष्ट व भय बने रहेंगे।

आचार्य कौशलेन्द्र पाण्डेय जी के अनुसार

पुर्जे-पुर्जे शिवाकायत

धर्मपुर बस डिपो की चलती बस के टायर ही नहीं खुले, बल्कि पथ परिवहन निगम प्रबंधन की ढीली चूल् में सामने आ गई हैं। लापरवाही का नजयाना किससे मिला, यात्रियों को जो-बाल-बाल बच गए या चालक को-जो सारी नालायकी का जिम्मेदार बना दिया गया। अब अपनी जांच के ढीले पुर्जों को दुरुस्त करने की दृष्टि से एचआरटीसी प्रबंधन ने धर्मपुर बस डिपो के मुख्य व कार्यकारी मुख्य मैकेनिक निलंबित कर दिए, तो चालक संघ ने आंदोलन का शंखनाद करते हुए यह मांग कर डाली कि जांच के फंदे में आरएम और डीएम को भी निलंबन की सूची में डालें। आश्चर्य यह कि जिस बस को जोगिंद्रनगर से अमृतसर जाना था, उसकी चालन क्षमता व पुर्जों की उपयोगिता इतनी थी ही नहीं कि इसे डिपो से बाहर निकलने की अनुमति मिलती। वैसे जो सरकारी बसें सड़कों पर तथाकथित रूप से चल रही हैं, उनमें कड़्यों की स्थिति धर्मपुर बस सरखी ही है। आश्चर्य यह कि लंबे और अंतरराज्यीय बस रूटों पर भी सुरक्षित आवागमन की गारंटी नहीं। बेशक एचआरटीसी पर आज भी यात्रियों का भरोसा है और वे इसे ब्रांड हिमाचल की दृष्टि से अहमियत देते हैं, लेकिन वर्तमान स्थिति में सरकारी बसों की छवि जगह-जगह ब्रेकडाउन के कारण खराब हो रही है। यही वजह है कि प्रदेश के स्थानीय रूटों पर निजी बसों को यात्रियों की प्राथमिकता मिल रही



है। वोल्गे बसों के संचालन में भी एचआरटीसी पिछड़ चुकी है, जबकि निजी क्षेत्र के कारण हिमाचल पर्यटकों को सुविधाजनक यात्रा के माध्यम से आकर्षित कर पा रहा है। जाहिर है हिमाचल परिवहन निगम की बसें फिसट्टी साबित हो रही हैं, तो इसके अनेक कारण हैं और जिनके लिए काफी हद तक चालक, मैकेनिक, क्षेत्रीय एवं डिबीजनल मैनेजर ही दोषी नहीं उठाय जा सकते। जब से सरकारी बसें राजनीतिक फैसलों का बोज़ उठाने लगी हैं, इनकी प्रबंधकीय क्षमता के टायर पंचर होने लगे हैं। इसलिए धर्मपुर डिपो की बस के टायरों का किस्सा बता रहा है कि भीतर कंगाली का आलम है क्या। हिमाचल के 14 सार्वजनिक उपक्रमों के कुल 5143.46 करोड़ के घाटे में परिवहन निगम ने ही 1966.13 करोड़ गंवाए हैं। यह अजीब सी स्थिति है, जहां घाटा निरंतर बढ़ रहा है, लेकिन सियासी प्राथमिकताएं बेशर्मी से अपना रुतबा आजमा रही हैं। जो रूट होने नहीं चाहिए, वहां खाली बसें दौड़ रही हैं। जहां बस डिपो होने नहीं चाहिए, वहां लाभकारी डिपो से छीन कर राजनीतिक आत्म संतुष्टि की जा रही है। कांगड़, हमीरपुर, ऊना, मंडी व कुल्लू के सुधरी व अनुशासित ड्राइविंग से यात्रियों को प्रबंधन की कला सीख ले, तो पता चल जाएगा कि एक बस चलाने के लिए कितना अर्थशास्त्र व अर्थगणित चाहिए। न्यू प्रेम बस सर्विस दर्जनों बसें चलाने के लिए डिपो जैसे नखरे तो नहीं उठाता। दूसरी ओर निजी वोल्गे बसों की बुकिंग व

यात्री संबंध इस तरीके से बुने गए हैं कि राज्य के बाहर के आपरेटर लायों कमा रहे हैं। आश्चर्य यह कि एचआरटीसी बस की सीट भले ही फटी हो, प्रबंधन के तौर तरीकों में साहबों के दफ्तर आलीशान व शानोशौकत को तसदीक करते अपना रुतबा बताते हैं। हैरत है कि प्रबंधन उस चालक को कठघरे में खड़ा कर रहा है, जिसने न बस खरीदी और न ही पुर्जे। उसका दायित्व साफ-सुधरी व अनुशासित ड्राइविंग से यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाना है। यह पुर्जे का घालमेल है और जहां जुगाड़ से गाड़ियां चल रही हैं। बस के टायर इसलिए खुले कि एचआरटीसी अब या तो जुगाड़ है या कबाड़ बन चुकी है। बेहतर है सरकारी उपक्रम अपने घाटे और संस्थागत बोझ घटाएं।

स्वतंत्र प्रभात

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित

e-Mail- news@swatantraprabhat.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

RNI No. UPHIN/2019/79073

संपादक राजीव कुमार शूल मो. 7499472288

